# बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



# मूसा और दस आज्ञाएँ

परमेश्वर ने सीनै पर्वत से अपने लोगों से बात की और उन्हें विश्वासयोग्यता, आदर और प्रेम का मार्ग सिखाया।



# परमेश्वर ने सीनै पर बात की

परमेश्वर ने लोगों को याद दिलाया, ‘मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ। मैं तुझे मिस्र देश से, दासत्व के घर से निकाल लाया।’ फिर उसने अपनी आज्ञाएँ सिखानी शुरू कीं।



# तू मेरे सिवा दूसरे देवताओं को न मानना

परमेश्वर कहता है, ‘तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।’ वह चाहता है कि उसके लोग उसी पर भरोसा करें, उससे प्रेम करें और किसी को या किसी वस्तु को उसका स्थान न दें।



# मूर्ति न बनाना

आराधना करने, झुकने या सेवा करने के लिए मूर्तियाँ नहीं बनानी चाहिए। अवज्ञा दुख लाती है, पर परमेश्वर का विश्वासयोग्य प्रेम उन अनेक पीढ़ियों तक पहुँचता है जो उससे प्रेम करते हैं।



# परमेश्वर के नाम का आदर करना

परमेश्वर सिखाता है कि उसके नाम का झूठे, खाली या अनादरपूर्ण तरीके से उपयोग न किया जाए। उसका नाम पवित्र है और प्रेम तथा श्रद्धा से लिया जाना चाहिए।



# विश्रामदिन को स्मरण रखना

परमेश्वर कहता है, 'विश्रामदिन को पवित्र मानने के लिए स्मरण रखना।' यह विश्राम करने, धन्यवाद देने और परमेश्वर के साथ समय बिताने का विशेष दिन है।



# विश्राम का दिन

छः दिन काम किया जा सकता है। सातवाँ दिन पूरे घर, काम करने वालों, अतिथियों और पशुओं के लिए विश्राम का दिन है। परमेश्वर ने सब कुछ छः दिनों में बनाया, सातवें दिन विश्राम किया और उसे आशीष दी।



# अपने माता-पिता का आदर करना

परमेश्वर सिखाता है, ‘अपने पिता और अपनी माता का आदर करना।’ उनका आदर करना, उनकी बात सुनना और उनकी देखभाल करना उस देश में अच्छे और लम्बे जीवन में सहायता करता है जो परमेश्वर देता है।



# हत्या न करना

हर व्यक्ति का जीवन बहुमूल्य है। परमेश्वर कहता है, ‘हत्या न करना।’ उसके लोगों को जीवन की रक्षा करनी, दूसरों का आदर करना और शान्ति खोजनी चाहिए।



# विवाह में विश्वासयोग्य रहना

परमेश्वर कहता है, 'व्यभिचार न करना।' पति और पत्नी को एक-दूसरे के प्रति विश्वासयोग्य रहना, देखभाल करना और परिवार बनाते समय की गई प्रतिज्ञा का आदर करना चाहिए।



# चोरी न करना

दूसरे व्यक्ति की वस्तु नहीं लेनी चाहिए। परमेश्वर चाहता है कि उसके लोग ईमानदार रहें, दूसरों की वस्तुओं का आदर करें और जो उनका नहीं है उसे लौटा दें।



# झूठी गवाही न देना

परमेश्वर कहता है, ‘अपने पड़ोसी के विरुद्ध झूठी गवाही न देना।’ इसका अर्थ है झूठे आरोप न लगाना, बल्कि सत्य बोलना और दूसरों के अच्छे नाम की रक्षा करना।



# लालच न करना

दूसरे व्यक्ति के घर, पति या पत्नी, काम करने वालों, पशुओं या किसी भी वस्तु का लालच नहीं करना चाहिए। परमेश्वर हमें जो मिला है उसके लिए धन्यवाद के साथ जीना सिखाता है।



# लोगों के लिए एक मार्ग

मूसा ने ये वचन लोगों को सिखाने के लिए पाए। दस आज्ञाएँ दिखाती हैं कि परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य कैसे रहें और दूसरे लोगों के साथ आदर और प्रेम से कैसे व्यवहार करें।